

प्लवक क्रैश

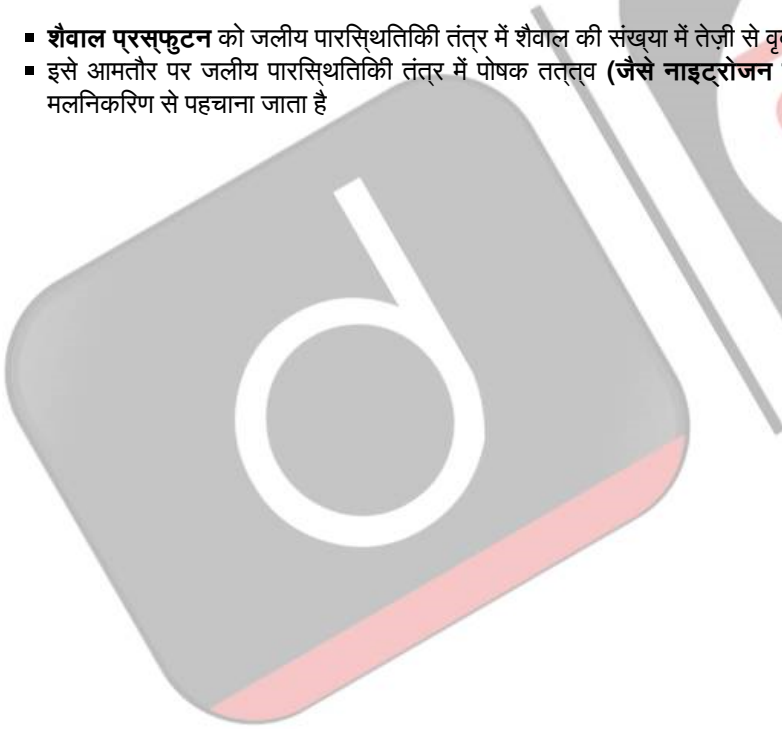
[स्रोत: द हट्टि](#)

हाल ही में [राष्ट्रीय हरति अधीकरण \(National Green Tribunal - NGT\)](#) पैनल ने पुडुचेरी में समुद्र के लाल होने का कारण **प्लवक क्रैश (Plankton Crash)** की घटना को बताया है।

- NGT पैनल ने अपशष्टिों के कारण शैवालीय प्रस्फुटन और संदूषण को खारज़ि करते हुए सुझाव दिया कि वहाँ उच्च लौह सांद्रता थी जो सामान्यतः प्लवक प्रस्फुटन को बढ़ावा देती है।
- एक वशिष्ट **एककोशकीय फाइटोप्लांकटन प्रजाति, *Noctiluca scintillans*** का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा जल में लाल रंग के नरिवहन के लिये ज़िम्मेदार था।
- समुद्र की सतह का तापमान, जल की लवणता, pH और घुलति ऑक्सीजन जैसे **पर्यावरणीय पैरामीटर** फाइटोप्लांकटन क्रैश के लिये अनुकूल थे।

शैवाल प्रस्फुटन:

- **शैवाल प्रस्फुटन** को जलीय पारस्थितिकी तंत्र में शैवाल की संख्या में तेज़ी से वृद्धि के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- इसे आमतौर पर जलीय पारस्थितिकी तंत्र में पोषक तत्व (जैसे **नाइट्रोजन या फास्फोरस**) के प्रवेश के कारण जल की सतह पर होने वाले मलनिकरण से पहचाना जाता है।

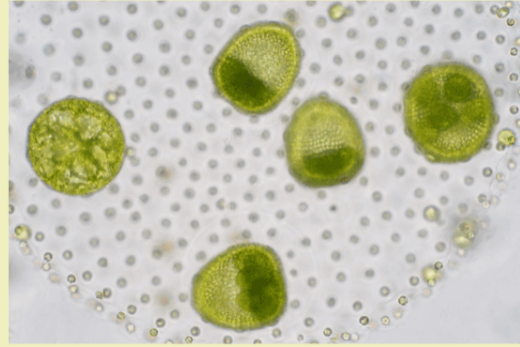


What Is Plankton?

Plankton consists of organisms that drift with tides and currents.

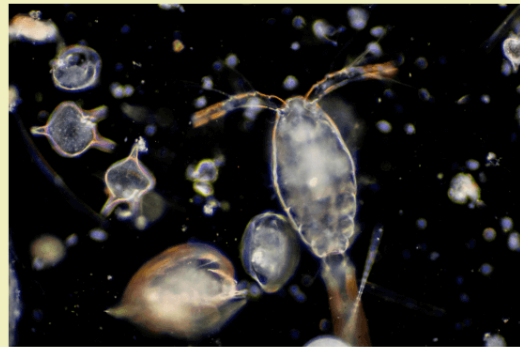
Phytoplankton

Photosynthetic plants, algae, and cyanobacteria



Zooplankton

Animals, such as krill, protozoa, larvae, and jellyfish



sciencenotes.org

//

और पढ़ें: [हानिकारक शैवाल ब्लूम राष्ट्रीय हरति अधकिरण](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/plankton-crash>